Baba’s Praise

07/02/2015

- उसको ब्रह्म या महतत्व कहते हैं, जहाँ आत्मायें निवास करती हैं । बाप आयेगा भी जरूर वहाँ से । कोई तो आयेगा ना । कहते हैं आकर **हमारी ज्योत जगाओ** ।

- बाप तुम्हारी **बुद्धि का अब ताला खोल रहे हैं** । रावण ताला बन्द कर देते हैं ।

- बाप आकर यहाँ **ज्योत जगायेंगे** ना । प्रेरणा से थोड़ेही काम होता है ।

- अभी तुम सेन्सीबुल बुद्धि बनते हो । बाप कहते हैं मैं तुमको **स्वच्छ बुद्धि बनाता** हूँ । **ज्ञान घृत डालता** हूँ ।

- तुम खुद जानते हो, हम आत्मा हैं, हमारा **बाप परम आत्मा, परमात्मा** है ।

- बच्चों का फर्ज है बाप को याद करना । वह है लौकिक, यह है **पारलौकिक** ।

- पतित ही पुकारते हैं कि आकर **पावन बनाओ** । मुख्य है पावन बनने की बात ।

- बाप तो है **योगेश्वर**, जो याद सिखलाते हैं । वास्तव में ईश्वर को योगेश्वर नहीं कहेंगे । तुम योगेश्वर हो । ईश्वर बाप कहते हैं मुझे याद करो । यह **याद सिखलाने वाला ईश्वर बाप** है । वह **निराकार बाप** शरीर द्वारा सुनाते हैं ।

- बाप को **ज्ञान का सागर** कहा जाता है । योग का सागर तो नहीं कहेंगे ना । **चक्र का नॉलेज सुनाते हैं** और अपना भी परिचय देते हैं ।

- यह तुम्हारा **बाप** है ना, वही **पतित-पावन** है ।

- **तमोप्रधान से सतोप्रधान**, सतोप्रधान से तमोप्रधान कैसे बनते हैं, यह बाप समझाते हैं ।

- तुम रूहानी बच्चे **रूहानी बाप** के पास आये हो, उनको शरीर का आधार तो चाहिए ना ।

- अब बाप आते हैं तब **सारे सृष्टि का कल्याण** होता है ।